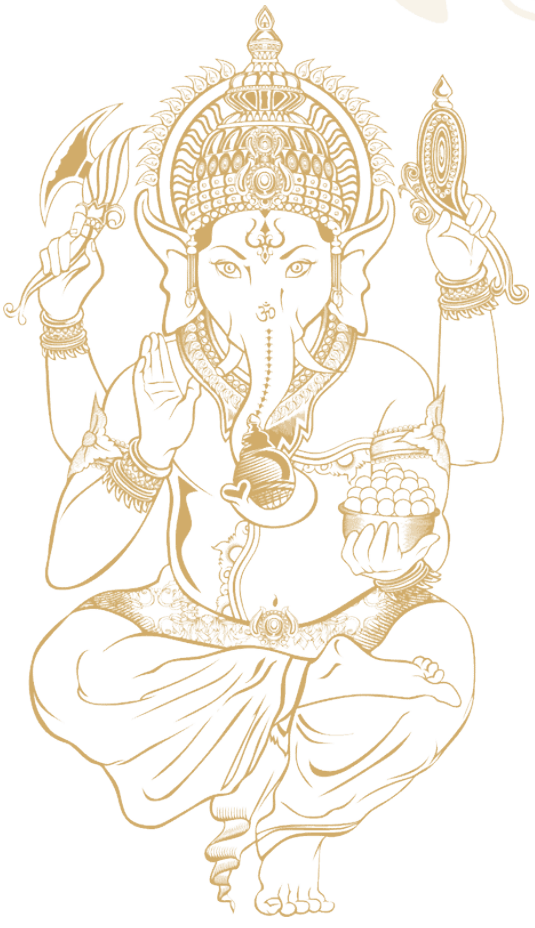

Karan deep singh

Taniya Chaudhary

Model: Love-Horoscope

Order No: 121246901

Model: Love-Horoscope

Order No: 121246901 Date: 11/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/01/2001	जन्म तिथि	19/08/1999
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:20:00	जन्म समय	08:33:00 घंटे
घटी 00:13:01	जन्म समय(घटी)	06:55:49 घटी
India	देश	India
Dehradun	स्थान	Delhi
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
78:03:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:47	सूर्योदय	05:52:07
17:41:58	सूर्यास्त	18:57:04
23:52:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:55

मकर	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
तुला	राशि	वृश्चिक
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
विशाखा	नक्षत्र	विशाखा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	4
शूल	योग	ऐन्द्र
वणिज	करण	बव
ती-तीरथ	जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
व्याघ्र	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 12वर्ष 9मा 8दि		04:29:39	मक	लग्न	कन्या	06:08:47	गुरु 1वर्ष 0मा 23दि	
शनि		04:09:46	मक	सूर्य	सिंह	01:52:03	बुध	
27/10/2013		22:41:23	तुला	चंद्र	वृश्चि	02:26:46	11/09/2019	
27/10/2032		20:55:15	तुला	मंगल	तुला	27:18:47	11/09/2036	
शनि	30/10/2016	18:33:16	मक	बुध	कर्क	14:03:56	बुध	07/02/2022
बुध	10/07/2019	07:24:42	वृष व	गुरु	मेष	11:04:45	केतु	04/02/2023
केतु	18/08/2020	21:15:13	कुंभ	शुक्र व	सिंह	04:02:15	शुक्र	05/12/2025
शुक्र	18/10/2023	00:14:16	वृष व	शनि	मेष	23:13:36	सूर्य	12/10/2026
सूर्य	29/09/2024	21:36:20	मिथु	राहु	कर्क	19:01:20	चन्द्र	12/03/2028
चन्द्र	01/05/2026	21:36:20	धनु	केतु	मक	19:01:20	मंगल	09/03/2029
मंगल	09/06/2027	25:40:15	मक	हर्ष व	मक	20:31:06	राहु	27/09/2031
राहु	15/04/2030	12:05:08	मक	नेप व	मक	08:30:20	गुरु	02/01/2034
गुरु	27/10/2032	20:27:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:53:21	शनि	11/09/2036

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:02 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:55

लग्न-चलित

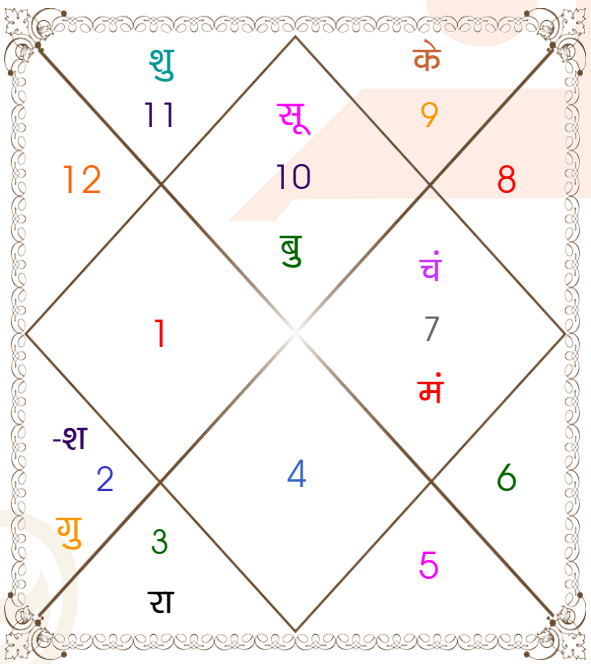

लग्न-चलित

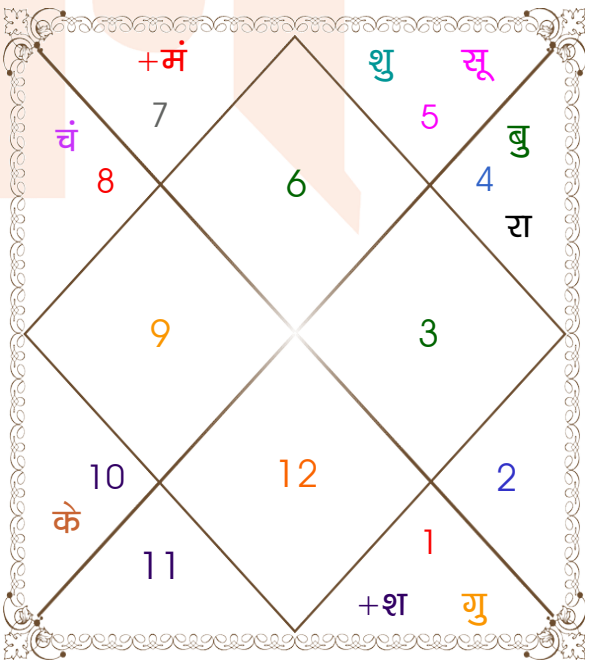

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

कुल : **17 / 36**

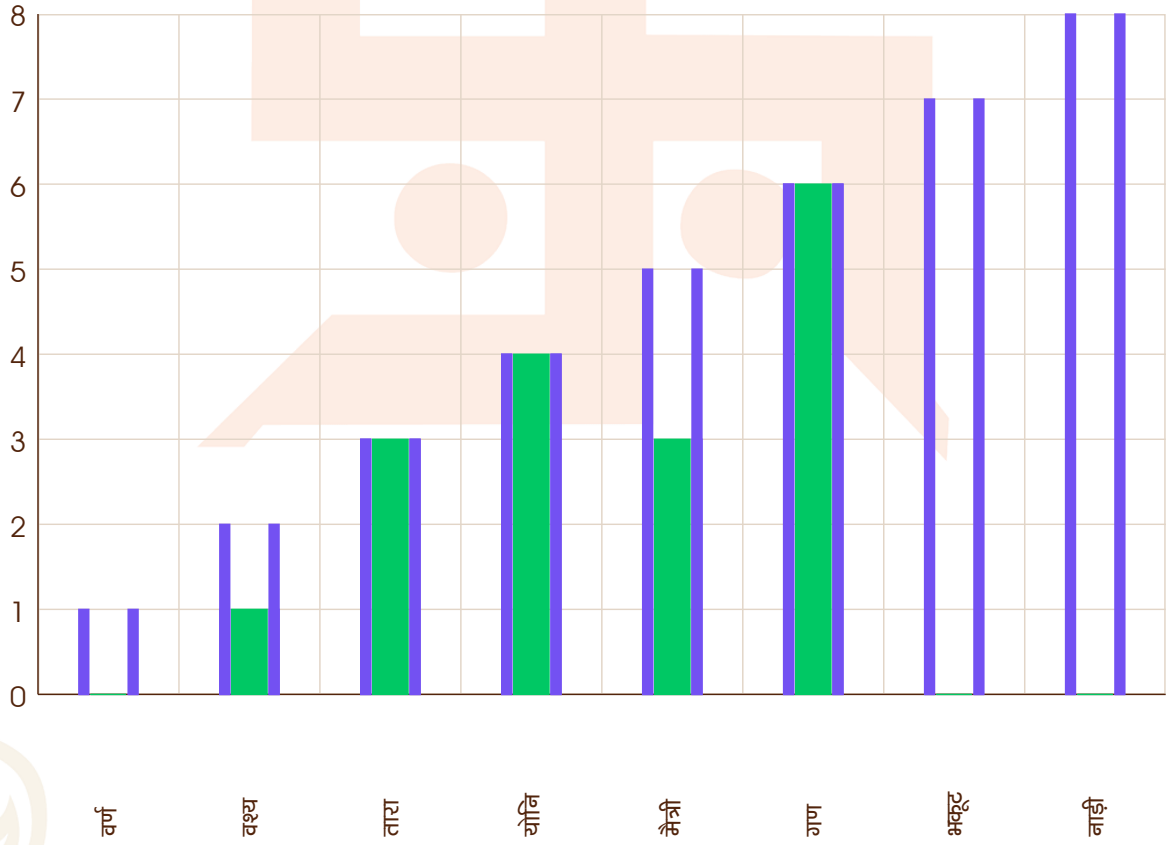

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एक है तथा चरण भिन्न-2 है।

Karan deep singh का वर्ग सर्प है तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Karan deep singh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ज्ंदपलं बैंनकींतल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Karan deep singh तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Karan deep singh का वर्ण शूद्र है तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि ज्ंदपलं बैंनकींतल का वर्ण Karan deep singh के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। ज्ंदपलं बैंनकींतल हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Karan deep singh के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Karan deep singh का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ज्ंदपलं बैंनकींतल का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Karan deep singh एवं ज्ंदपलं बैंनकींतल दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

Karan deep singh की तारा जन्म तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Karan deep singh की योनि व्याघ्र है तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल की योनि भी व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने

वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Karan deep singh एवं ज्ंदपलं बैंनकींतल दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Karan deep singh का गण राक्षस है तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल का गण भी राक्षस है। अर्थात ज्ंदपलं बैंनकींतल का गण Karan deep singh के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Karan deep singh एवं ज्ंदपलं बैंनकींतल दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Karan deep singh से ज्ंदपलं बैंनकींतल की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल से Karan deep singh की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Karan deep singh गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। ज्ंदपलं बैंनकींतल समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Karan deep singh शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Karan deep singh की नाड़ी अन्त्य है तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Karan deep singh एवं ज्ंदपलं बैंनकींतल की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता

है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Karan deep singh की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। वायु एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल में स्वभावगत असमानताएं होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में मतभेद तथा तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Karan deep singh की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल की जन्मराशि का स्वामी मंगल दोनों एक दूसरे की सम राशि में हैं। अतः इसके प्रभाव से Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल के प्रवृति एक दूसरे के प्रति उदासीन रहेगी तथा किसी भी प्रकार की सक्रियता का प्रायः अभाव रहेगा। फिर भी एक दूसरे के प्रति सामान्यतया सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा सुख दुख में यथा शक्ति एक दूसरे की सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

Karan deep singh तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है इसके प्रभाव से परस्पर संबधों में मतभेद तथा तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे की प्रशंसा की अपेक्षा आलोचना अधिक करेंगे । अतः इनका वैवाहिक जीवन विशेष सुखी या शांतिमय नहीं रहेगा।

Karan deep singh का वश्य मानव तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल का वश्य कीट है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Karan deep singh का वर्ण शूद्र तथा ज्ंदपलं बैंनकींतल का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी अन्तर रहेगा। Karan deep singh की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी परन्तु ज्ंदपलं बैंनकींतल शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी अतः इससे भी यदा कदा Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल के मध्य तनाव उत्पन्न हो सकता है।

धन

Karan deep singh एवं ज्ंदपलं बैंनकींतल दोनों की तारा 'जनम' है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका शुभ प्रभाव रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में पड़ती है जो एक भकूट दोष माना जाता है। परन्तु मंगल का भी इनकी आर्थिक स्थिति पर शुभ प्रभाव होगा अतः

सामान्य रूप से धनैश्वर्य एवं वैभव से युक्त रहेंगे तथा भौतिक सुख साधनों का उपभोग करेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Karan deep singh की प्रवृति व्ययशील रहेगी तथा जुआ एवं लाटरी आदि पर समय समय पर अनावश्यक रूप से व्यय करते रहेंगे। यद्यपि आर्थिक स्थिति पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथापि ऐसी प्रवृति की Karan deep singh को यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल दोनों ही अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। यद्य पि प्रथम दृष्टि से यह नाड़ी दोष प्रतीत होता है परन्तु दोनों का जन्म एक ही नक्षत्र के विभिन्न चरणों में हुआ है। इससे इनका नाड़ी दोष का प्रभाव समाप्त हो जाता है। इसके शुभ प्रभाव से Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा सांसारिक महत्व के कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम पूर्वक यथा समय सम्पन्न करने में वे सफल होंगे। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए मिलान श्रेष्ठ समझा जाएगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ज्ंदपलं बैंनकींतल के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ज्ंदपलं बैंनकींतल को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Karan deep singh और ज्ंदपलं बैंनकींतल का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ज्ंदपलं बैंनकींतल के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ज्ंदपलं बैंनकींतल धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ज्ंदपलं बैंनकींतल के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ज्ंदपलं बैंनकींतल का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ज्ंदपलं बैंनकींतल से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Karan deep singh तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Karan deep singh के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Karan deep singh को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Karan deep singh के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Karan deep singh के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

Karan deep singh

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म उत्तराषाढ़ नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ है। आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कुंभ नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ग्रह संयोजन के फलस्वरूप यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म उन्नतमुखी प्रतिज्ञा का निरूपण कर रहा है, परंतु आपके जीवन के लघु मानसिक प्रवृति यह है कि आप जन सामान्य के साथ जो व्यवहार करेंगे। वह व्यवहार जैसे सिंह मनुष्य के साथ करता है, वैसा प्रतीत होता है। आप घर में भी एक प्रशासक प्रवृति से भूमिका निभाएंगे। आप मानवीय स्वभाव से निश्चित रूपेण अपनी पत्नी के वशीभूत रहेंगे।

इसका मुख्य कारण यह है कि आपका विवाह विलम्ब से हो ऐसी संभावना है तथा तथ्य यह है कि आप व्यक्तिगतरूप से झगड़ा विवाद करने वाले नहीं है। परंतु आप संतुलित प्राणी है। आप सदैव किसी भी वाद-विवाद विहीन परिस्थिति तथा शांति पूर्वक जीवन बिताने की अभिलाषा रखते हैं। यद्यपि आप अपनी पत्नी एवं संतान के लिए अत्यंत ही सुकोमल दृष्टिकोण के प्राणी हैं तथा उन्हें समृद्धिवान करने एवं स्वच्छन्दता पूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए आकांक्षी है।

आप एक चतुर व्यक्ति हैं एवं आप अपने जीवन में उच्चता प्राप्त करेंगे। आप एक धर्मात्मा है तथा आप निर्विघ्न जीने की नीति में विश्वास करते हो। आप अकस्मात् प्रेम उत्पन्न कर लेते हैं तथा आप अच्छी मित्र मंडली बना लेते हो। आप में समुचित प्रत्यक्षज्ञान शक्ति विद्य मान है। अतः लोग आपके पास निर्देशन प्राप्त करने आते हैं। आप सर्वथा गायन, नृत्य द्वारा आनंद प्राप्त करने के लिए संपर्क साधन करते हो।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन का अध्ययन कर समय-समय पर धर्म स्थलों का परिभ्रमण करेंगे। आप सदैव सहृदयतापूर्वक दान सेवी संस्थाओं को दान-प्रदान करेंगे।

आप की इच्छा के अनुरूप कार्य व्यवसाय भूमि से संबंधित अनुकूल होगा। यथा सिंचाई कार्य, खनिज व्यवसाय, वास्तु कला, अभियांत्रिकी एवं सविल कॉन्ट्रेक्टर का कार्य आदि। आप विश्वासपूर्वक संस्था के संचालक अथवा मध्यस्थता (दलाली) कार्य अथवा निर्यातिक व्यवसाय कर सकते हो।

आप अपने जीवन में अधिकांश समय तक निशंक होकर स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आपको अपने शरीर को जख्मी होने के प्रति सुरक्षा बरतनी होगी। आपको उछल कूद करने तथा ऊपर से नीचे जाने के प्रति सर्तक रहना चाहिए। आपको अपने पाचन पद्यति के प्रति सदैव सतर्क रहना पड़ेगा।

आप व्यक्तिगत रूप से उच्चकोटि के महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप धन संचय करने की योजना बनाकर स्पष्ट रूप से धन प्राप्ति करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आप यदि निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन करें तो निश्चित रूप से सुगमता पूर्वक अग्रसर हो सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक हैं। परंतु अंक 3 सर्वथा त्यागनीय है, क्योंकि ये अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में सहायक रंग सफेद, काला, नीला एवं लाल रंग अनुकूल रंग हैं। परंतु रंग क्रीम एवं पीला रंग स्पष्ट रूप से आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं भाग्यशाली दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन व्यवहारणीय है, परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

Taniya Chaudhary

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन

प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।

Karan deep singh

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी व्यक्ति रहेंगे तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगे तब आपको हानि उठानी पड़ेगी।

आप अनुशासन पसन्द करेंगे। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगे तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगे। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दवाजी होगी। आप चाहेंगे कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनायें शुरु होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों का व्यय होगा। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्न-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Taniya Chaudhary

आपका जन्म दिनांक 19 है। एक एवं नौ के योग से आपका मूलांक 1 होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ही ग्रहों का प्रभाव आप पर आयेगा। मूलांक एक के प्रभाववश आप सूर्य के समान समाज में लोकप्रिय होंगी। बहुतों का पालन करेंगी। उच्च महत्वाकांक्षाएं आपके अन्दर अधिक रहेंगी। संघर्ष, साहस एवं धैर्य से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेंगी। जीवन में आप कई उच्च सफलताएं प्राप्त करेंगी। एकाध कार्यों में रुकावट भी आयेगी, जिसे आप सूर्य मंगल के प्रभाववश अपनी मेहनत, धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगी।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपमें अदम्य साहस रहेगा तथा आपकी हमेशा शत्रुओं को जीतने की इच्छा बलवती रहेगी। शत्रु के सामने आप हथियार नहीं डालेंगी

और येन केन प्रकारेण शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगी। कभी-कभी आप दुःसाहस करेंगी। जिसका फल आपको ठीक नहीं मिलेगा। क्रोध से आपको हानि अधिक होगी। अतः क्रोध से हमेशा बचना आपके लिये हितकर रहेगा।

आपकी विचारधारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। जबकि स्वतंत्र प्रभार वाले कार्यों में आप तन मन धन से सेवा करेंगी और नाम तथा यश प्राप्त करेंगी। आपको अपने रोजगार, व्यापार में स्वतंत्र प्रभार वाले क्षेत्रों का चुनाव करना प्रगति में सहायक होगा। सामाजिक एवं संगठन के क्षेत्र में आप मुखिया के समान कार्य करेंगी एवं स्वयं की योजनानुसार कार्य करने पर आपको अच्छी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला जुला प्रभाव आपको उच्चता प्राप्त करायेगा।

Karan deep singh

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Taniya Chaudhary

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को

प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।